गुरु वही जो विद्यार्थियों का जीवन बदल दे

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में गुरु वंदन कार्यक्रम

नवभारत न्यूज़

इंदौर. गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को स्कूल ऑफ कॉमर्स के चाणक्य सभागार में 'गुरु वंदन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. सदानंद सप्रे ने कहा कि शिक्षक और गुरु एक-दूसरे के पर्याय नहीं हैं. शिक्षक जहां विद्यार्थियों को किसी विषय का ज्ञान देता है, वहीं गुरु विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देकर उनके जीवन जीने की कला सिखाता है. डॉ. सप्रे ने कहा कि गुरु अपने शिष्यों को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाता है और उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. एक आदर्श गुरु विद्यार्थियों के जीवन के हर क्षेत्र में मार्गदर्शन देकर उन्हें समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनाने का कार्य करता है. उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से भी परिचित कराएं. उन्होंने कहा कि जब तक विद्यार्थियों के ज्ञान का उपयोग समाज के हित में नहीं होगा, तब तक राष्ट्र का समग्र विकास संभव नहीं है.

दक्षा महेश्वरी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जिसमें तबले पर पार्थ जोशी ने संगत दी। अतिथियों का स्वागत डॉ. बीके त्रिपाठी, डॉ. सुरेश पाटीदार, डॉ. दीपक श्रीवास्तव एवं डॉ. मंजू चट्टोपाध्याय ने किया. इस अवसर पर डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. एलके त्रिपाठी, अनुराग द्विवेदी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे. संचालन डॉ. पूजा जैन ने किया. आभार आईईटी निदेशक प्रो. प्रतोष बंसल ने माना.

दृष्टि प्रदान करता है गुरु

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो . राकेश सिंहई ने कहा कि शिक्षक ज्ञान देता है, जबकि गुरु दृष्टि प्रदान करता है . भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु की भूमिका सदैव सर्वोच्च रही है . उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भारतीय ज्ञान परंपरा को पुन: स्थापित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है . हमें अपनी ज्ञान विरासत को प्रभावी तरीके से समाज के सामने प्रस्तुत करने की आवश्यकता है .

कैसा हो मेरे सपनों का शहर

स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत का आदर्श शहर भी बने

नवभारत न्यूज

आज मैं आपके सामने एक सपना नहीं, बल्कि एक संकल्प लेकर खड़ी हूँ—एक ऐसा इंदौर जो सिर्फ कल्पना नहीं, बल्कि बदलाव की दिशा बने. मेरा सपना है कि इंदौर केवल भारत का सबसे स्वच्छ शहर न रहे, बल्कि देश की न्यूट्रिशन कैपिटल के साथ-साथ स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत का आदर्श शहर भी बने.

जिस शहर ने स्वच्छता में इतिहास रचा है, वही अब स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी जीवनशैली में भी नई मिसाल कायम करे. मैं ऐसे इंदौर की कल्पना करती हूँ जहाँ हर बच्चा स्वस्थ और ऊर्जावान हो, हर माँ जागरूक हो, और हर परिवार पोषण के साथ-साथ स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे. जहाँ स्कूलों में शिक्षा के साथ पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य के प्रति समझ और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग की प्रेरणा भी दी जाए. जहाँ आंगनवाड़ियों से लेकर सार्वजनिक स्थानों तक कुपोषण, एनीमिया और स्वदेशी अपनाने के प्रति मजबूत जन-जागरूकता हो.

मैं उस शहर को देखना चाहती हूँ जहाँ हर खाली भूमि पर मोरिंगा जैसे पोषक पौधे उगें, और किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि पोषण और स्वदेशी उत्पादों की क्रांति के भागीदार बनें. इंदौर ऐसा शहर बने जहाँ शुद्ध भोजन, सुरक्षित दूध, हरित ऊर्जा, जल संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण और स्वदेशी उत्पादों का उपयोग जीवनशैली का हिस्सा हों-न कि केवल योजनाएँ. यह वह इंदौर है जहाँ तकनीक, नवाचार और स्वदेशी उद्योग मिलकर बदलाव लाएँ, जनभागीदारी उसकी ताकत बने, और हर कदम एक स्वस्थ, आत्मनिर्भर और स्वदेशी भारत की ओर बढ़े. आइए, हम सब मिलकर इस सपने को साकार करें— क्योंकि यह सिर्फ मेरा नहीं, हम सबका साझा भविष्य है. मेरा सपना है- एक स्वच्छ, स्वस्थ, पोषित, स्वदेशी और समृद्ध इंदौर।

पल्लवी व्यास
निदेशक शांता फार्म्स, मालवा प्रांत महिला प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच.

गुरु पूर्णिमा पर भारतीय ज्ञान परंपरा का हुआ सम्मान

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय में

नवभारत न्यूज़

इंदौर. शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए. कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन तथा आईक्यूएसी प्रभारी प्रो. मनीषा जोशी के निर्देशन में संपन्न हुआ.

मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. मीनाक्षी स्वामी ने भारतीय ज्ञान परंपरा के परिप्रेक्ष्य में गुरु-शिष्य परंपरा का महत्व विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि गुरु केवल ज्ञान नहीं देते, बल्कि व्यक्तित्व, संस्कार और जीवन मूल्यों का निर्माण भी करते हैं. प्रो. सुधीर कुमार छारी ने चाणक्य-चंद्रगुप्त की प्रेरक कथा और कविता के माध्यम से भारतीय संस्कृति में गुरु के सर्वोच्च स्थान को रेखांकित किया. प्रो. देवेंद्र कुमरे ने स्वरचित गुरु वंदना प्रस्तुत की, जबकि छात्राओं प्रेरणा पवार, रूपाली त्रिपाठी, वैदेही जैन एवं जाह्नवी श्रोतिया ने गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को गरिमामय बनाया. प्राचार्य डॉ. बी.डी. श्रीवास्तव ने गुरु गुड़, चेला शक्कर की लोकोक्ति के माध्यम से गुरु के सम्मान, नैतिक मूल्यों और भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व बताया. अंत में छात्राओं ने सभी गुरुजनों का तिलक, श्रीफल एवं श्रीपट भेंटकर सम्मान किया. कार्यक्रम में प्रो. विनीता वर्मा, प्रो. मनीषा जोशी, प्रो. वनश्री गोडबोले, प्रो. दीपिका सेठे, प्रो. आरती चौहान एवं प्रो. मयूरी यशोधरा सहित महाविद्यालय परिवार की सक्रिय सहभागिता रही.

विद्यालय में शिक्षकों का सम्मान, विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

इंदौर. गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शासकिय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं गुरु वंदना से हुआ।

विद्यार्थियों ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर भाषण, कविता एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर शिक्षकों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अनुशासन, संस्कार और निरंतर सीखने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

निर्णय सोच समझकर लें, जो सही है वह पूरे मन से करें

आईएमए के विशेष सत्र में एक्सपर्टस ने दिए खुशहाल, संतुलित और सफल जीवन के मंत्र

इंदौर. तनाव से सुकून तक और इनर्जी ने जगाई भीतर की ऊर्जा विषय पर इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन(आईएमए)ने विशेष सत्र का आयोजन किया. रेडिसन ब्लू होटल में हुए कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने मेंटल हेल्थ, योग, मेडिटेशन, हीलिंग, और पॉजिटिव लाईफस्टाइल पर अपने विचार रखें. सत्र में शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, चिकित्सकों, कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स, उद्यमियों और स्टूडेंटस ने भी हिस्सा लिया.

काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट एवं इमोशनल इंटेलिजेंस एक्सपर्ट डॉ. संदीप अत्रे ने कहा कि आज अधिकांश तनाव हमारी सोच और निर्णय लेने की प्रक्रिया से पैदा होता है. निर्णय सोच-समझकर लेना चाहिए, क्योंकि जीवन कोई ऑटो मोड पर चलने वाला सिस्टम नहीं है. हम चाहते हैं कि हर व्यक्ति हमें पसंद करे, लेकिन ऐसा कभी संभव नहीं होता, इसलिए जो सही है वही पूरे मन से कीजिए. अंतरराष्ट्रीय योग विशेषज्ञ डॉ. निशा जोशी ने योग और भारतीय ज्ञान परंपरा पर बोलते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की श्रेष्ठ कला है. मन की शुद्धि से ज्ञान मिलेगा, ध्यान से योग की अनुभूति मिलेगी. योग से शांति और आंतरिक शक्ति प्राप्त होती है. साइकोलॉजिस्ट अंकिता डावर ने जीवन की मानसिक चुनौतियों पर अपनी बात रखते हुए कहा कि आज अधिकांश लोग सब कुछ हासिल करने के बाद भी भीतर से खाली महसूस करते हैं. मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल उतनी ही आवश्यक है जितनी शारीरिक स्वास्थ्य की. कार्यक्रम के दौरान लोगों ने विशेषज्ञों से मेंटल हेल्थ, मेडिटेशन, योग, काउंसलिंग, हीलिंग और पॉजिटिव लाईफस्टाइल से जुड़े प्रश्न पूछे. कार्यक्रम के अंत में सभी वक्ताओं का सम्मान किया गया.

जूनियर वर्ग के मुकाबलों में दिखा शानदार खेल

इंदौर. मध्य प्रदेश बिलियर्ड्स एंड स्नूकर एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित 40वीं एमपी स्टेट स्नूकर चैंपियनशिप के जूनियर वर्ग के मुकाबलों का समापन रोमांचक फाइनल के साथ हुआ. जूनियर गर्ल्स में सान्वी शाह, जूनियर बॉयज में रतलाम के आतिफ अंसारी और सब-जूनियर गर्ल्स में सान्वी जैन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किए.

नेहरू स्टेडियम स्थित बिलियर्ड्स एकेडमी में आयोजित प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में एसोसिएशन के चेयरमैन भोलू मेहता मुख्य अतिथि रहे, जबकि अंतरराष्ट्रीय क्यू स्पोर्ट्स खिलाड़ी अमी कमानी ने अध्यक्षता की. इस अवसर पर टूर्नामेंट डायरेक्टर सुजीत गेहलोत, रेफरी अविनाश मेहरा और लक्ष्य गौहर का भी सम्मान किया गया. जूनियर गर्ल्स के फाइनल में सान्वी शाह ने भोपाल की सिमरन ठाकुर को 2-0 से हराकर खिताब जीता. सेमीफाइनल में सान्वी शाह ने सान्वी जैन को तथा सिमरन ठाकुर ने वैदिका तोमर को समान अंतर 2-0 से पराजित किया. जूनियर बॉयज के फाइनल में रतलाम के आतिफ अंसारी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए हार्दिक गायकवाड़ को 3-0 से शिकस्त देकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया. हार्दिक इससे पहले सब-जूनियर वर्ग का खिताब जीत चुके थे. वहीं सब-जूनियर गर्ल्स के फाइनल में सान्वी जैन ने समायरा वर्मा को 2-0 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की.

मांडू की ऐतिहासिक धरोहरों को देखा और कैमरे में किया कैद

इंदौर. ऐतिहासिक नगरी मांडू की एक दिवसीय यात्रा ने पर्यटकों को इतिहास, प्रकृति और संस्कृति से रूबरू होने का अवसर दिया. ट्रिपकिंग्स द्वारा आयोजित इस यात्रा में पर्यटकों ने जहाज महल, हिंडोला महल, रानी रूपमती मंडप, बाज बहादुर महल और नीलकंठेश्वर मंदिर का भ्रमण किया. पूरे दिन पर्यटकों ने ऐतिहासिक धरोहरों की भव्यता को नजदीक से देखा और यादगार पल कैमरे में कैद किए.

यात्रा के दौरान जहाज महल की अनूठी वास्तुकला, हिंडोला महल की विशाल दीवारें और रानी रूपमती मंडप से दिखाई देने वाला प्राकृतिक दृश्य सभी को आकर्षित करता रहा. नीलकंठेश्वर मंदिर के शांत वातावरण ने यात्रियों को आध्यात्मिक अनुभूति कराई, वहीं बाज बहादुर महल ने मांडू के गौरवशाली इतिहास की झलक दिखाई. यात्रा के दौरान संगीत, मनोरंजक गतिविधियों और सामूहिक फोटो सेशन ने सभी के सफर को और भी यादगार बना दिया. लौटते समय पर्यटकों ने दोबारा मांडू आने की इच्छा भी जताई.

ट्रिपकिंग्स के यात्रियों ने जाना इतिहास व संस्कृति को

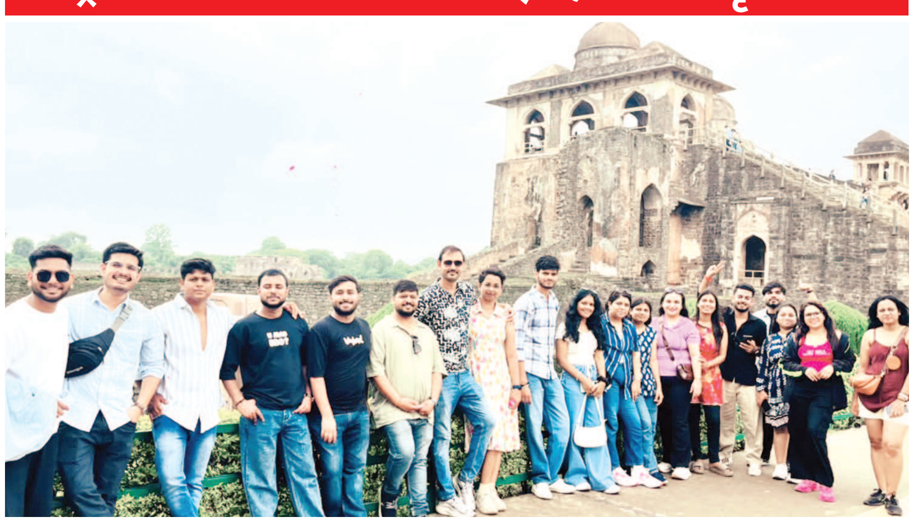

यात्रियों ने सुनाए अनुभव

यात्री गौरव ने कहा मांडू की हर इमारत अपने इतिहास की कहानी सुनाती है। यहां का अनुभव हमेशा याद रहेगा . वैष्णवी ने कहा रानी रूपमती मंडप से दिखाई देने वाला दृश्य बेहद मनमोहक है . प्रकृति और इतिहास का ऐसा संगम बहुत कम जगह देखने को मिलता है . पल्लवी ने कहा मांडू केवल घूमने की जगह नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को जानने का अवसर भी है .

हिमांशु ने बताया नीलकंठेश्वर मंदिर का शांत वातावरण और मांडू की हरियाली पूरे सफर की सबसे खास याद रहेगी . नितिन ने कहा मांडू की यात्रा मेरे लिए बेहद खास रही . यहां का इतिहास और प्राकृतिक सौंदर्य दोनों ही मन को छू लेने वाले हैं .

स्कूली बच्चों के साथ गुरु भक्तों ने किया गुरु चित्र, चरण पूजन

इंदौर. श्री पद्मावती वेंकटेश देवस्थान पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं सहित गुरु भक्तों ने चरण पूजन कर गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किय. हरिकिशन साहब, मनोहर सोनी एवं नितिन तापड़िया ने बताया कि स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों के साथ विद्या पैलेस कॉलोनी के रवासियों एवं गुरु भक्तों ने श्रद्धा के साथ में गुरु स्वामी केशवाचार्य महाराज बालक स्वामी जी के चित्र का पूजन चंदन केसर कुमकुम का तिलक लगाकर किया एवं गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया. इस दौरान हरिकिशन साबू ने गुरु भजनों की गंगा का पान भी श्रद्धालुओं को कराया.

स्कूल में उत्साहपूर्वक मनाई गुरु पूर्णिमा

इंदौर. श्री साई विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, उत्साह और संस्कारों के साथ मनाया गया।इस अवसर पर विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह से भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को गुरुजी के चरणों की पादुकाओं का एक विशेष चित्र दिया गया। बच्चों ने अपनी-अपनी पसंद के रंगों से उस चित्र को आकर्षक ढंग से सजाया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को गुरु के प्रति सम्मान, आस्था और कृतज्ञता का संदेश दिया गया।विद्यालय परिसर में गुरु महिमा पर आधारित प्रस्तुतियों और प्रेरक संदेशों के साथ कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। गुरु पूर्णिमा का यह आयोजन अत्यंत गरिमामय और आनंदमय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता निभाई।

एक नजर में | सिमरन सनशाइन : एक सोसायटी ऐसी भी ....

त्योहार मनाने के साथ देते हैं भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश

इंदौर. निपानिया स्थित सिमरन सनशाइन सोसायटी ने एक आदर्श सोसायटी बनने की मिसाल कायम की है. सिमरन सनशाइन सोसायटी में रहवासियों के बीच आपसी मेल-मिलाप और भाईचारा बढ़ाने के लिए कई तरह के सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं. प्रति वर्ष सोसायटी में गणेशोत्सव, नवरात्रि और दिवाली जैसे त्यौहार मनाने के साथ-साथ बच्चों व महिलाओं सें जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित होते है. स्वच्छता और सुरक्षा का ध्यान भी रखते है.

सोसायटी के अध्यक्ष गौरव वरसने ने बताया कि निपानिया क्षेत्र में उनकी सोसायटी की सोशल एक्टिविटी की चर्चा रहती है. सोसायटी 10 वर्ष पुरानी है।66 फ्लैट में 250 लोग रहते है. सावन सोमवार को मद्देनजर रखते हुए परिसर स्थित शिव मंदिर में तैयारियां चल रही है. पिछले वर्ष सावन में हर सोमवार महिलाओं ने भोलेनाथ जी का बाबा महांकाल के स्वरूप में श्रृंगार किया था. मई माह में सोसायटी में भागवद कथा का आयोजन किया था. सोसायटी के बच्चों के लिए समय समय पर खेलकूद प्रतियोगिताएं होती है. अध्यक्ष गौरव के मुताबिक हर छोटे बड़े त्यौहार और आयोजन पर सोसायटी को विद्युत सज्जा से सजाते है. 15 अगस्त, जन्मअष्टमी, गणेश चतुर्थी, नवरात्री और दिवाली और नया साल धूम धाम से मनाते है. उन्होंने कहा कि त्यौहार मनाने या आयोजन करने का मकसद सिर्फ सेलिब्रेशन करना नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देना है। एक सोसायटी में साथ रहने का मतलब पड़ोसी होने के बजाए भाईचारे के साथ रहना होना चाहिए .